

B.Ed. SPECIAL EDUCATION (BEDSE)**Term-End Examination, 2019****MMDE-038 : INTRODUCTION TO THE
EDUCATION OF VISUALLY
IMPAIRED CHILDREN****Time : 2 Hours]****[Maximum Marks: 50**

Note : Following question paper is divided into three parts. **Part-A** for very short type, **Part-B** for short type and **Part-C** for essay type of answers. Question-no.1 is **compulsory**.

PART-A

1. Answer the following in 2-3 sentences : [2×5=10]
- (a) What do you understand by 'Brailing Services' ?
- (b) Why the need of concept development is very significant for visually impaired children ?
- (c) What are the rational sequence of vision development for partially seeing and low vision children ?

- (d) What is the role of family in teaching 'daily living skills' to children with visual impairment ?
- (e) Define legal blindness.

PART-B

Write short notes on the following in **100** words each
(any four) :

2. Orientation of general teachers on strategies of teaching children with visual impairment in an inclusive classroom.
3. Incidence and prevalence of blindness in India.
4. Attitude of parents towards their child with visual impairment.
5. Strategies to be adopted in serving children with multiple disabilities.
6. Need of functional assessment of 'low vision'.
7. Visual-motor coordination for children with multiple disabilities.

PART-C

Answer the following in 400 words each :

8. Based on the reading preference test, after assessing the performance of a child, how would you suggest various activities in order to increase the visual efficiency ? Discuss with examples.

OR

What are the instructional areas and strategies to overcome possible developmental delay in a child with visual impairment ? Explain.

9. Which are the pioneer institutes in developing services for children with visual impairment in India ? Describe.

OR

Compare the concept development skills of visually impaired children with sighted children.

----- X -----

बी.एड. विशेष शिक्षा (बी.ई.डी.एस.ई.)

सत्रांत परीक्षा, 2019

एम.एम.डी.ई.-038 : दृष्टिहीन बच्चों की शिक्षा
का परिचय

समय : 2 घण्टे

अधिकतम अंक : 50

नोट : निम्नलिखित प्रश्नपत्र तीन भागों में विभाजित किया गया है।
भाग-अ अति लघु उत्तर प्रकार के लिए, भाग-ब लघु उत्तर प्रकार
तथा भाग-स निबन्ध प्रकार के लिए। प्रश्न संख्या.1 अनिवार्य है।

भाग-अ

1. निम्नलिखित का उत्तर 2-3 वाक्य (प्रत्येक) में दीजिए : [2×5=10]
 - (a) "ब्रेलिंग सर्विसेज़" से आप क्या समझते हैं ?
 - (b) दृष्टिबाधित बच्चों के लिए अवधारणा विकास की आवश्यकता किस लिए बहुत महत्वपूर्ण है ?

- (c) कुछ हद तक देख सकने वाले तथा अल्पदृष्टि बाधित बच्चों के लिए दृष्टि विकास का तर्कसंगत क्रम क्या है ?
- (d) दृष्टिबाधित बच्चों को 'नियमित दिनचर्या कौशल' सिखाने में परिवार की क्या भूमिका है ?
- (e) कानूनी अंधता क्या है ?

भाग-ब

निम्नलिखित पर 100 शब्द (प्रत्येक) में किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

2. समेकित कक्षा में दृष्टिबाधित बच्चों को पढ़ाने के लिए सामान्य शिक्षकों का उन्मुखीकरण
3. भारत में अंधता की व्यापकता एवं प्रसार
4. दृष्टिबाधित बच्चों के प्रति उनके अभिभावकों की अभिवृत्ति
5. बहुविकलांगता वाले बच्चों की सेवा हेतु अपनायी जाने वाली विधियाँ
6. 'अल्प दृष्टिबाधिता' के कार्यान्वित आकलन की आवश्यकता
7. बहुविकलांगता वाले बच्चों के लिए दृष्टि-गामक समन्वय

भाग-स

निम्नलिखित का उत्तर 400 शब्द (प्रत्येक) में दीजिए :

8. पठन पसंद परीक्षण (REPT) पर आधारित बच्चे के प्रदर्शन के आकलन के बाद आप किस प्रकार से विभिन्न गतिविधियों का सुझाव देंगे ताकि दृष्टि कुशलता में वृद्धि की जा सके। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

अथवा

दृष्टिबाधित बच्चों के विकास में संभावित देरी से निपटने के लिए निर्देश क्षेत्र एवं साधन क्या हैं ? वर्णन कीजिए।

9. भारत में दृष्टिबाधित बच्चों के लिए सेवाएँ विकसित करने वाले प्रमुख संस्थान कौन-से हैं ? वर्णन कीजिए।

अथवा

दृष्टिबाधित एवं देख सकने वाले बच्चों के बीच अवधारणा विकास कौशलों की तुलना कीजिए।

----- x -----